

**छुरित** पुं. (तत्.) लास्य नृत्य का वह प्रकार जिसमें नायक और नायिका परस्पर आलिंगन, चुंबन आदि भी करते चलते हैं।

**छुरी** स्त्री. (तद्.) लंबे फलवाला एक प्रकार का चाकू, मुहा. (किसी पर) छुरी चलाना या फेरना - जान-बूझकर ऐसा काम करना जिससे किसी की बहुत बड़ी हानि हो।

**छुरलधार** स्त्री. (देश.) 1. छुरे की धार 2. किसी हथियार की तेज धार वि. तेज धारवाला (अस्त्र)।

**छुलाना** स.क्रि. (देश.) स्पर्श करना।

**छुवना** स.क्रि. (देश.) छूना।

**छुवाना** स.क्रि. (देश.) छुलाना।

**छुहना** अ.क्रि. (देश.) 1. छूआ जाना 2. किसी तरल पदार्थ से लेपा या पोता जाना मुहा. त्यों त्यों छुही गुलाब से छतिया अति सियराति-बिहारी स.क्रि. छूना।

**छुहारा** पुं. (देश.) खजूर की जाति का एक सूखा मेवा।

**छुही** स्त्री. (देश.) खड़िया नाम की सफेद मिट्टी।

**छूँछा** वि. (देश.) छूँछा।

**छूँटा** पुं. (देश.) एक प्रकार का गहना जो काले काँच की गुरियों का बना होता है।

**छू** पुं. (अनु.) मंत्र पढ़कर फूँक मारने का शब्द; मुहा. छू मंतर होना-चंपत होना, गायब होना।

**छूआछूत** स्त्री. (देश.) 1. अछूत अर्थात् अस्पृश्य को न छूने या उससे अपने को न छुलाने की भावना या विचार 2. धार्मिक या सामाजिक दृष्टि से अस्पृश्य वस्तुओं या व्यक्तियों से छूए जाने का भाव 3. बच्चों का एक खेल, जिसमें किसी एक लड़के को दूसरे लड़कों को छूना पड़ता है।

**छूई-मुई** पुं. (देश.) लजालू या लज्जावंती नाम का पौधा जो स्पर्श किए जाने पर अपनी पत्तियाँ सिकोड़ लेता है।

**छूँछा** वि. (देश.) 1. (पात्र) जिसमें कुछ भी न हो, खाली 2. (व्यक्ति) जिसके पास या हाथ में धन,

हथियार आदि कुछ न हो जैसे- छूँछे हाथ चला आया हूँ 3. तत्वहीन, निःसार।

**छूछम** वि. (देश.) 1. सूक्ष्म, 2. अल्प, थोड़ा, थोड़ी मात्रा का।

**छूट** स्त्री. (देश.) 1. छूटने अर्थात् बंधन आदि से मुक्त होने की अवस्था, क्रिया या भाव जैसे- बच्चों को मिलने वाली खेलने की छूट 2. नियम, बंधन, मर्यादा आदि से मिली हुई स्वतंत्रता 3. वह रियायत या सुविधा जिसके कारण किसी को कोई कर्तव्य या दायित्व पूरा न करने पर भी दंड का भागी नहीं समझा जाता है 4. देयधन चुकाने में किसी कारण से मिलने वाली वह सुविधा जिसमें उसका कुछ अंश नहीं देना पड़ता 5. असावधानता, जल्दी आदि के कारण कार्य के किसी अंग पर ध्यान न जाने अथवा उसके छूट या रह जाने की अवस्था या भाव 6. मालखंभ की एक कसरत 7. स्त्री-पुरुष का संबंध त्याग 8. परिहास के समय अशिष्ट, अश्लील आदि बातों का किया जाने वाला प्रयोग।

**छूटना** अ.क्रि. (तद्.) 1. बंधन आदि से मुक्त होकर स्वतंत्र होना जैसे- (i) कैदियों का छूटना (ii) सांसारिक आवागमन या जन्म-मरण से छूटना 2. जकड़, पकड़ आदि से रहित होकर अलग या दूर होना जैसे- हाथ में पकड़ा हुआ गिलास या शीशा छूटना 3. द्रव पदार्थ का बंधन टूटने या हटने पर धारा के रूप में वेगपूर्वक आगे बढ़ना जैसे- रक्त की धारा छूटना 4. द्रव पदार्थ का किसी चीज में से रस-रसकर निकलना जैसे- (i) शरीर में से पसीना छूटना (ii) पकाते समय तरकारी में से पानी छूटना 5. निर्दोष सिद्ध होने पर अभियोग, आरोप आदि की क्रियाओं से मुक्त या रहित होना, बरी होना।

**छूटा** स्त्री. (देश.) एक प्रकार की बरछी वि. छूट्टा।

**छूत** स्त्री. (देश.) 1. छूने की क्रिया या भाव मुहा. छूत छुड़ाना-पीछा छुड़ाने या नाम-मात्र के लिए यों ही अवज्ञापूर्वक कोई काम करना 2. ऐसा निषिद्ध संसर्ग जिससे रोग आदि का संचार होता हो 3. गंदी अथवा घृणित वस्तु का संसर्ग 4.